विराम चिह्न

परिभाषा ⇒ विराम चिह्न का अर्थ रुकना / ठहराव होता है। व्यक्ति अपने मन के भावों या विचारों को व्यक्त करते समय जब कभी-कभी बीच में रुकता है तब इन्हीं रुकावट या विराम के स्थानों को जिन चिह्नों द्वारा व्यक्त किया जाता है उसे विराम चिह्न कहते हैं।

श्री कामता प्रसाद गुरू के अनुसार विराम चिह्नों की संख्या 20 होती है।

श्री कामता प्रसाद गुरू ने विराम चिह्नों को अंग्रेजी से लिया हुआ मानते हैं वे पूर्ण विराम को छोड़कर शेष विराम चिह्न का सम्बन्ध अंग्रेजी से बताते हैं।

① - अल्प विराम चिह्न (,) ⇒ जहाँ थोड़ी देर रुकना पड़े वहाँ अल्पविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

अथवा

एक से अधिक वस्तुओं को दर्शाने के लिए अल्पविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

* छन्दों में एक चरण की समाप्ति पर अल्पविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदा॰ भारत, नेपाल, भूटान और श्री लंका दक्षिण एशियाई देश हैं।

मन्दिर में राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान, शिव और पार्वती की मूर्ति लगी है।

मैं बाजार से सेब, सन्तरें, केले और अनार लाया।

मेले में रमन, अमन, सोनू, मोनू और कमल गए।

युधिष्ठिर, अर्जुन, भीम और नकुल चारों भाई है।

(2) - अर्द्ध विराम चिह्न (;) ⇒ जब किसी वाक्य को कहते हुए हल्का-सा विराम लेना हो पर वाक्य को समाप्त न किया जाए। तब वहाँ अर्द्ध विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

अथवा

मिश्रित और संयुक्त वाक्य में विरोध का भाव प्रकट करने के लिए अर्द्ध विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

मैं बाजार से सेब, सन्तरे, केले और अनार लाया।
मेले में रमन, अमन, सोनू, मोनू और कमल गए।
युधिष्ठिर, अर्जुन, भीम और नकुल चारों भाई हैं।

② - अर्द्धविराम चिह्न (;) ⇒ जब किसी वाक्य को कहते हुए हल्का-सा विराम लेना हो पर वाक्य को समाप्त न किया जाए। तब वहाँ अर्द्ध विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

अथवा

मिश्रित और संयुक्त वाक्य में विरोध का भाव प्रकट करने के लिए अर्द्ध विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदा॰ परीक्षा कठिन थी; फिर भी उसने अच्छे अंक प्राप्त किए।
मैं पढ़ाई कर रहा था; और मेरी बहन टी॰वी॰ देख रही थी।
पैसा कमाना आसान है; उसे संभालना कठिन है।
उसे समय पर काम पूरा करना था; इसलिए उसने देर रात तक मेहनत की।
तुम्हारे दबाव से एक व्यक्ति भी नहीं टूट सकता; क्योंकि तुम्हारा पक्ष असत्य पर टिका है।

9760327365

③- पूर्ण विराम चिह्न (।) ⇒ जब हम बोलते समय वाक्य समाप्त होने पर रुकते हैं। तब पूर्ण विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदा॰ रमन का कार्य पूर्ण हो गया है।

रामू स्कूल से आ गया।

सीमा शादी में गई।

रीना ने खाना पकाया।

(4) - प्रश्नवाचक चिह्न (?) ⇒ जब वाक्य में प्रश्न पूछे जाने का बोध हो वहाँ प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदा॰ हम दिल्ली कब जाएगें?

उसको किसने मारा है?

तुम कब आओगे?

(4) - प्रश्नवाचक चिह्न (?) ⇒ जब वाक्य में प्रश्न पूछे जाने का बोध हो वहाँ प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है

उदा॰ हम दिल्ली कब जाएँगे?

उसको किसने मारा है?

तुम कब आओगे?

तुम क्या करते हो?

9760327365

(5)- विस्मय वाचक चिह्न (!) ⇒ जिस वाक्य मे विस्मय, घृणा, शोक, आश्चर्य आदि का बोध होता है। वहाँ विस्मय वाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदा॰ बधाई हो! तुमने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ओह! यह तो बहुत बुरा हुआ।

वाह! कितनी अच्छी साइकिल है।

अजी! सुनते हो।

⑥- निर्देशक चिह्न (—) ⇒ किसी व्यक्ति द्वारा कहे गए कथन को विस्तृत करना हो। तब निर्देशक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदा॰ विषय — भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन

महात्मा गांधी ने कहा – सत्य ही ईश्वर है।

⑦- योजक चिह्न (-) ⇒ इस चिह्न का प्रयोग समानार्थक शब्द, विलोम शब्द, या तुलना वाचक शब्दों के मध्य में किया जाता है।

उदा॰ जीवन - मरण , छोटी - सी जीव - जन्तु

अपना - पराया , भूखा - प्यासा

बड़ा - सा , चाँद - सा चेहरा